MR. SPEAKER. No question is allowed

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER Don't record

* * *

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष-महोदय, मंत्री महोदय जवाब दे रहे थे, आप ने उन्हें रोक दिया । उन्हें अपना जवाब पूरा करने दीजिए ।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने जवाब दे दिया है । अब हम ने रूल 377को ले लिया है ।

श्री वी० वी० नवाई . (बुलडाना). अभी मंत्री महोदय का जवाब पूरा नहीं हुआ है ।

---

12 51 hrs

MATTERS UNDER RULE 377

(i) REPORTED IRREGULARITIES AT SHAHJEHANPUR ORDNANCE FACTORY

श्री सुरेन्द्र विक्रम (शाहजहांपुर) अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर इस सदन और सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं ।

वस्त्र आयुध निर्माणी शाहजहांपुर, में भयंकर घुटाले, रक्षा उत्पादन में भयंकर अनियमितताओं और जुए आदि से विद्रोह की स्थिति उत्पन्न हो गई है । वस्त्र आयुध निर्माणी शाहजहांपुर में जुए का बहुत बड़ा अड्डा बन गया है तथा चोरियां एक आम बात हो गई हैं । इस आयुध निर्माणी में पूर्ण रूप से अराजकता का राज्य है और सुरक्षा समाप्त हो गई है । मूल्यवान वस्तुएं आये दिन गायब की जा रही हैं । और उन चोरियों को हजम करने हेतु फैक्ट्री में आग भी लगाई गई जिसमें कई लाख रुपये का नुकसान हुआ । इस फैक्टरी में हमारी सेना की आवश्यकता के कपड़े तथा बिल्ले आदि बनते हैं । इसके उत्पादन में भयंकर गतिरोध पैदा हो गया है जिस का असर हमारी सुरक्षा पर पड़ सकता है यहां कुछ कर्मचारी जुआ खेलते हुए कभी भी देखे जा सकते हैं । इस आयुध निर्माणी के सम्बन्ध में जनता में भयानक रोष और असंतोष व्याप्त है । यदि तत्काल उच्च स्तर पर जांच कर के आवश्यक कार्यवाही न की गई, तो इसका असर हमारी सुरक्षा पर पड़ सकता है । इसलिए हम माननीय रक्षा मंत्री का तत्काल हस्तक्षेप तथा आवश्यक कार्यवाही की मांग करते हैं ।

(ii) NEED TO MODERNISE JAMALPUR RAILWAY WORKSHOP

श्री लखन लाल कपूर (पूर्णिया) अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अन्तर्गत ईस्टर्न रेलवे के जमालपुर कारखाने की व्यवस्था की ओर सरकार और सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं ।

बिहार राज्यान्तर्गत सन 1862 में स्थापित जमालपुर का रेलवे कारखाना दक्षिण-पूर्व एशिया में अपने ढंग का एक उच्च कोटि का सब से बड़ा वाष्पीय इंजन का कारखाना, अपनी कार्यकुशलता एवं कार्यदक्षता के कारण सदा प्रसिद्ध रहा है लेकिन स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश के अन्य हिस्सों में जहां औद्योगिक विकास की ओर ध्यान दिया गया। वहां ठीक इसके विपरीत जमालपुर का कारखाना रेलवे प्रशासनाधिकारियों की अकर्मण्यता स्वार्थपरता एवं अनियोजित राजनैतिक षड्यन्त्र के कारण उपेक्षित रहा है ।

देश की बढ़ती हुई आबादी के कारण बेकारी की समस्या के निदान हेतु जमालपुर का कारखाना सरकारी प्रतिष्ठान के रूप में अविकसित एवं गरीब बिहार का एक साधन है । परन्तु दुख के साथ कहना पड़ता है कि स्वराज्य के बाद अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों को देखते हुए जहां इस कारखाने के मजदूरों की संख्या इस समय कम से कम 45 हजार होनी चाहिए थी वहां सम्प्रति कार्यरत मजदूरों की संख्या मात्र 9 हजार है । 1935–36 में जमालपुर कारखाने की मजदूर संख्या 22 हजार थी ।

इस के लिए नये ढंग के कार्यों को ला कर इस का विकास किया जाना चाहिए था । लेकिन इसके साथ सदा उपेक्षित की नीति बरती गई । परिणामस्वरूप यह कारखाना आज मरणासन्न अवस्था में पहुंच गया है । जो काम यहां सुगमता से किया जा सकता था, उसकी स्थापना यहां न हो कर राजनैतिक दबाव के कारण अन्य जगह होती चली गई । इसके कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं

(क) वाष्प इंजनों के लिए बायलर बनाने का काम तय हुआ लेकिन राजनैतिक दबाव के कारण चितरंजन में ले जाया गया ।

(ख) ह्वील और एक्सल का निर्माण कार्य जमालपुर में करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन बाद में यहां न हो कर बंगलौर चला गया ।

(ग) आज देश को डब्बे और कोच की आवश्यकता है । जमालपुर में सब सुविधा उपलब्ध है । परन्तु कोच मरम्मती का काम यहां नहीं दे कर भुवनेश्वर में दिया जा रहा है । इतना ही नहीं, जो उपकरण आसानी से जमालपुर कारखाने

***Not recorded

में बन रहे थे उसे भी बन्द कर दिया और उस के स्थान पर लगभग 1140 उपकरण निजी व्यापारियों और मोनोपोली घरानों से खरीदे जा रहे हैं।

भारतीय रेलों की एकमात्र रोलिंग मिल इस जमालपुर कारखाने में है जिस की उत्पादन क्षमता 1000 टन प्रति माह है। यहां पानी के भाव में नीलाम होने वाले पुराने एक्स टायर एवं अन्य सामानों के नया माल तैयार किया जाता रहा है। अब इस रोलिंग मिल को भी बन्द करने का षड़यंत्र आरम्भ हो गया है और इस से निर्माण होने वाले उपकरणों को निजी क्षेत्र से खरीदना आरम्भ हो गया है। जमालपुर कारखाने के मजदूरों की कार्य-क्षमता से प्रभावित हो कर तत्कालीन रेल मंत्री श्री हनुमंतैया ने ट्रक फिटिंग्स उत्पादन के लिए सन् 1971 में एक मोटी धनराशि आवंटित की थी परन्तु प्रशासनाधिकारियों ने बाद में उसे भी समाप्त कर दिया।

पूरे देश के रेलवे कारखाने के जीर्णोद्धार एवं विकास के लिए विश्व बैंक से रेलवे प्रशासन ने हाल में 171 करोड़ रुपये का ऋण लिया है जिस में से कंचड़पाड़ा, खड़गपुर, चितरंजन, परेल और माटुंगा कारखाने को 25 करोड रुपये और अन्य कारखानों को 57 करोड रुपये, भुवनेश्वर में कोच मरम्मत के लिए 9 करोड रुपये, बंगलौर में व्हील तथा एक्सेल निर्माण के लिए 34 करोड रुपये और जमालपुर रेलवे कारखाने को मात्र 1 करोड रुपये का प्रावधान किया गया है। क्या यह पक्षपात नहीं है? इसी तरह जब पिछले वर्ष विश्व बैंक की टीम रेलवे कारखानों के निरीक्षण के लिए आई थी तो उस में भी जमालपुर कारखाने की उपेक्षा कर दी गई। क्या इस से यह जाहिर नहीं होता है कि रेलवे बोर्ड जमालपुर कारखाने को समाप्त कर देने का कुत्सित उद्देश्य कर रहा है?

जमालपुर कारखाने के मजदूरों की वर्तमान संख्या 22 हजार से गिर कर मात्र 9 हजार रह गई है और 1981 तक करीब करीब 6500 मजदूर अवकाश प्राप्त करने वाले हैं जिन की अभी पूर्ति करने की कोई योजना नहीं है। इस तरह जमालपुर कारखाने के दिन प्रति दिन ह्रास एवं बेकारी की उत्पन्न स्थिति में ऊब कर स्थानीय मजदूरों और जनता में भयंकर असंतोष व्याप्त है। फलस्वरूप इस के प्रतिकार में जुलूस, प्रदर्शन, सभाएं, बाजार बन्द, भूख हड़ताल हो रहा है और शांति व्यवस्था को खतरा उत्पन्न होने की आशंका है।

अतः मैं इस सदन के माध्यम से यह मांग करता हूं कि बिहार के पिछड़ेपन, बेकारी और गरीबी को देखते हुए जमालपुर कारखाने का आधुनीकरण तथा उस की कार्यक्षमता को बढाने के लिए अविलम्ब कदम उठाया जाय।

(iii) Reported Non-functioning of Radars installed at Calcutta Airport

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur): Mr. Speaker, Sir, I want to raise a very serious and important matter under Rule 377. The Minister is here. A news item has appeared in Amrita Bazar Patrika. It reads:

> "For the last five months the Air Traffic Controllers of Calcutta Airport have not been getting the services of two highly sophisticated radars. One of them is the Canadian made Aerodrome Surveillance Radar and the other a West German precision Approach Radar.
>
> According to the Air Traffic Controllers of Calcutta Airport, the two radars were working very smoothly for one year but in March last the Aerodrome Surveillance Radar went out of order. Some small spare parts were required to be imported from Canada for its repair. But till today this was not done. The Precision Approach Radar was corelated with the Canadian radar.. "

MR. SPEAKER: Mr. Halder, you are going out of your statement. No.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: No, No. I have written in my statement about this. The news item further reads:

> "...According to the Air Traffic experts the Canadian radar was essential to regulate the aircraft within 60 miles radius of Calcutta Airport. The German radar functions for an approach within the radius of 10 miles.
>
> At present the Air Traffic Controllers are passing a hard time to maintain the safety of the take-off and landing of aircrafts without the help of these two valuable machines."

You know that if one goes to Calcutta, his life is in danger. Everyday, thousands of passengers go from Calcutta to other places and abroad and thousands of passengers go to Calcutta from other places. Many